Naidunia (Indore), 18th February 2026, Front Page – plus 02

आइआइटी इंदौर के स्थापना समारोह में नवाचार और समाजसेवा के योगदान पर चर्चा

संस्थान की जिम्मेदारी देश के विकास के लिए युवाओं को करना है तैयार

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आइआइटी) ने मंगलवार को 17वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध कार्यों, नवाचार और समाजसेवा में योगदान पर चर्चा की गई।

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि संस्थान आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुका है। उन्होंने बताया कि संस्थान शिक्षा की गुणवत्ता, निरंतर सुधार, उद्योगों से सहयोग और समाज के लिए उपयोगी शोध कार्यों पर विशेष ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि संस्थान का लक्ष्य केवल डिग्री देना नहीं है, बल्कि ऐसे युवा तैयार करना है जो देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

आइआइटी जम्मू के अध्यक्ष डा. शरद कुमार सराफ ने कहा कि विदेश में पढ़ाई आकर्षक लग सकती है, लेकिन अपने देश की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने युवाओं से भारत की चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए आगे आने की

आइआइटी के स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित अतिथि। • सौजन्य

हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) नासिक के सीईओ साकेत चतुर्वेदी भी इस समारोह में उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान में नई दो प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया, जिसमें टीईएम लैब और 'प्रज्ञान' नवाचार पारगमन प्रयोगशाला शामिल है। साथ ही संस्थान की शोध उपलब्धियों और तकनीकी क्षमताओं पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी हुआ। समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। कार्यक्रम में छात्र और अतिथि शामिल हुए।

आरआर कैट का 43वां स्थापना दिवस कल

इंदौर: राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकैट) का 19 फरवरी को 43वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। मुख्य अतिथि परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोड़कर होंगे। केंद्र के निदेशक विराज प. भणगे पिछले एक वर्ष में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और नई परियोजनाओं के बारे में बताएंगे। इस मौके पर आरआर कैट के पाई हब फाउंडेशन के माध्यम से कुछ नई तकनीकों का औद्योगिक साझेदारों को हस्तांतरण किया जाएगा।